डॉ. पांडुरंग पाटील
एम्.ए., पीएच्. डी.
प्रपाठक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्व विद्यालय, कोल्हापुर.

सं स्तु ति

मैं संस्तुति करता हूँ कि **कु. स्वाती जवाहर देशमाने** द्वारा लिखित **"शशिप्रभा शास्त्री के उपन्यासों में पारिवारिक जीवन" ('सीढ़ियाँ', 'परछाइयों के पीछे', 'उग्र एक गलियारे की', और 'कर्करेखा' के विशेष संदर्भ में)** लघुशोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

स्थान : कोल्हापुर।

तिथि : ३० दिसंबर २००३

(डॉ. पांडुरंग पाटील)
Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University,
Kolhapur-416004.

डॉ. र. ग. देसाई
एम्.ए., पीएच्. डी.
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
श्रीमती मथुबाई गरवारे कन्या महाविद्यालय,
सांगली.

प्रमाणपत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि कु. स्वाती जवाहर देशमाने ने मेरे निर्देशन में **''शशिप्रभा शास्त्री के उपन्यासों में पारिवारिक जीवन'' ('सीढ़ियाँ', 'परछाइयों के पीछे', 'उम्र एक गलियारे की' और 'कर्करेखा' के विशेष संदर्भ में)** यह लघुशोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल (हिंदी) उपाधि के लिखा है। पूर्व-योजनानुसार संपन्न कार्य में शोध-छात्रा ने मेरे सुझावों का पूर्णत: पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। शोध-छात्रा के कार्य से मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूँ। इस लघुशोध-प्रबंध को आद्योपांत पढकर ही मैं इसे परीक्षणार्थ अग्रेषित करने हेतु अनुमति पद्रान करता हूँ।

शोध - निर्देशक

(डॉ. र. ग. देसाई)

स्थान : सांगली।
तिथि : 30 दिसंबर 2003

प्रख्यापन

''शशिप्रभा शास्त्री के उपन्यासों में पारिवारिक जीवन'' ('सीढ़ियाँ', 'परछाइयों के पीछे', 'उम्र एग गलियारे की' और 'कर्करेखा' के विशेष संदर्भ में)

यह लघुशोध-प्रबंध मेरी मौलिक स्वना है, जो एम. फिल (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। प्रस्तुत रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध - छात्रा

Deshmane.

(कु. स्वाती जवाहर देशमाने)

स्थान : कोल्हापुर।

तिथि : **30 दिसंबर 2003**